(श्री मुकुल वासनिक) : (क) जी, हां। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस बात की पुष्टि की है कि भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका में संबंधित क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड प्रतियोगिता की मेजबानी करेंगे ।

(ख) प्रतियोगिता में कुल 37 मैच खेले जायेंगे, जिसमें से भारत 16 या 17 मैचों की मेजबानी करेगा । प्रतियोगिता की विस्तृत अनुसूची को अभी अंतिम रूप दिया जाना है । प्रतियोगिता में अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आई.सी.सी.) के नौ पूर्ण सदस्यों अर्थात आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्ट इंडीज और जिम्बाब्वे के अलावा आई.सी.सी. के तीन सह-सदस्य भी भाग लेंगे । सह-सदस्यों के नाम कीनिया में खेली जानेवाली 1994 आई.सी.सी. ट्राफी के बाद निर्धारित किये जायेंगे ।

(ग) जी, नहीं । आयोजन समिति का गठन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और पाकिस्तान तथा श्रीलंका में इसके क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा किया जायेगा ।

Text Books Presicribed in Schools in Rampur (U.P.)

1417. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that according to an official report of the National Steering Committee on Textbook evaluation, two text-books on History, one on Geography; and five on Urdu language being used in a number of schools in Rampur foster all kinds of narrow view of the subjects;

(b) whether the report of the Committee submitted to Government was taken up in a meeting of the State Eduaction Ministers convened by the Minister of Human Resource Development;

(c) whether the educational institutions involved are being funded by both the Central and State Governments, if so, what action Government have taken or propose to take against them; and

(d) whether these text-books have so far been withdrawn from the prescribed courses, if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) Central Government does not provide any financial assistance to individual schools. As regards the Government of Uttar Pradesh, the information is being collected.

(d) According to the NCERT, there books are not prescribed by the State educational authorities.

उत्तर प्रदेश में तम्बुओं में चल रहे केन्द्रीय विद्यालय

1418. **चौधरी हरमोहन सिंह :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश राज्य में केन्द्रीय विद्यालय तम्बुओं में चलाये जा रहे हैं ;

(ख) क्या गत तीन वर्षों के दौरान सरकार ने इन विद्यालयों के लिये भवनों के निर्माण हेतु कोई उपाय किये हैं, और

(ग) सरकार इस संबंध में अगले वर्ष क्या प्रयास करने का विचार रखती है ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) से (ग) उत्तर प्रदेश में एक भी केन्द्रीय विद्यालय तम्बु में नहीं चलाया जा रहा है । जब तक स्थाई

भवन का निर्माण नहीं हो जाता तब तक विद्यालय प्रायोजक प्राधिकरणों द्वारा उपलब्ध कराये गये अस्थाई भवनों में चलाये जाते हैं । जब प्रायोजक एजेंन्सी द्वारा उपलब्ध कराई गई भूमि केन्द्रीय विद्यालय संगठन को हस्तांतरित कर दी जाती हैं तब उस पर केन्द्रीय विद्यालयों के लिये स्थाई भवनों का निर्माण कराया जाता है । उत्तर प्रदेश के कुल 111 केन्द्रीय विद्यालयों में से 58 विद्यालयों के पास स्थाई भवन हैं तथा 32 विद्यालयों के लिये भवनों का निर्माण विभिन्न स्तरों पर है या इनके लिये योजनायें और अनुमान तैयार किये जा रहे हैं । उत्तर प्रदेश के शेष 21 विद्यालयों के लिये प्रायोजक एजेंसी से भूमि प्राप्त करने के लिये प्रयास किये जा रहे हैं ।

गुजरात में प्रौढ़-शिक्षा के कार्य की प्रगति

1419. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गुजरात में प्रौढ़-शिक्षा कार्यक्रम की प्रगति बहुत ही असंतोषजनक रही है ;

(ख) यदि हां, तो इसके कारणों सहित ब्यौरा क्या है ; और

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के संबंध में क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए थे और उन लक्ष्यों की प्राप्ति में कितनी सफलता मिली है ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) जी, नहीं ।

(ख) उपरोक्त (क) को देखते हुए यह प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान, प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम स्वैच्छिक एजेंसियों तथा जिला साक्षरता समितियों के माध्यम से कार्यान्वित किए जा रहे थे । इसकी उपलब्धियां निम्नलिखित हैं :-

(लाखों में)

चरण	शामिल करने का प्रस्ताव	साक्षर बनाए गए व्यक्ति
साक्षरता अभियान चरण-I 1989-90	23.00	15.96
साक्षरता अभियान चरण-II सितम्बर 90 से आगे	30.00	19.75
गांधी नगर	0.21	0.21
भावनगर	2.47	1.96

सरदार पटेल समाज विज्ञान तथा अनुसंधान संस्थान द्वारा बाह्य मूल्यांकन किया गया है । मूल्यांकन ने जिला साक्षरता समितियों के दावों का समर्थन किया है ।